सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹ 02

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

कानपुर, बुधवार, 11 जून, 2025
वर्षः 02, अंकः 162, पृष्ठः 8+4

इनसाइड नाबालिग लड़की को कानपुर लाया, होटल में किया दुष्कर्म.. » Pg 06

डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ टिप्पणियों पर जताया अफसोस

» Pg 12

तीसरी बार टली पीजीटी परीक्षा, अगस्त में प्रस्तावित

तीन साल से इंतजार कर रहे 4.5 लाख अभ्यर्थियों में फैसले से उबाल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने तीसरी बार प्रवक्ता (पीजीटी) भर्ती परीक्षा-2022 स्थगित कर दी है। यह परीक्षा 18 व 19 जून को प्रस्तावित थी। तीन साल से परीक्षा का इंतजार कर रहे साढ़े चार लाख अभ्यर्थियों में इस फैसले से उबाल है।

उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने तीसरी बार प्रवक्ता (पीजीटी) भर्ती परीक्षा-2022 स्थगित कर दी है। मंगलवार को आयोग की बैठक में यह निर्णय लिया गया। परीक्षा 18 और 19 जून को होनी थी। तीन साल से परीक्षा का इंतजार कर रहे साढ़े चार लाख अभ्यर्थियों में आयोग के इस फैसले से नाराजगी है। आयोग के परीक्षा नियंत्रक एवं प्रभारी सचिव देवेंद्र प्रताप सिंह के अनुसार, अगस्त के अंतिम सप्ताह में पीजीटी परीक्षा कराने का निणज़्य लिया गया है, लेकिन तिथि घोषित नहीं की गई है। नई परीक्षा तिथि वेबसाइट www.upessc.up.gov.in के माध्यम से जल्द ही घोषित की जाएगी।

इस परीक्षा के तहत अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में पीजीटी के 624 पदों पर भर्ती होनी है, जिसके लिए 4.50 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किए हैं। इससे पहले 11 और 12 अप्रैल 2025 को परीक्षा होनी थी, जिसे स्थगित कर 20 व 21 जून 2025 को कराने का निर्णय लिया गया था, लेकिन दूसरी बार इससे टालते हुए नई तिथि 18 व 19 जून निर्धारित की गई थी और अब यह परीक्षा अगस्त के अंतिम सप्ताह में प्रस्तावित की गई है।

आयोग ने परीक्षा स्थगित करने के पीछे अपरिहार्य कारण बताए हैं, वहीं सूत्रों का कहना है कि जून-2024 में जारी नई गाइडलाइन तहत पर्याप्त तैयारियां न हो पाने के कारण आयोग को परीक्षा स्थगित करनी पड़ी है। तीसरी बार परीक्षा स्थगित होने से लाखों अभ्यर्थियों को झटका लगा है और उन्हें अब पीजीटी परीक्षा की नई तिथि का इंतजार है।

अभ्यर्थियों में उबाल, आंदोलन की घोषणा

पीजीटी परीक्षा टलने से अभ्यर्थियों ने आंदोलन की घोषणा की है। प्रतियोगी छात्र मोर्चा के अध्यक्ष विक्की खान का कहना है कि आयोग ने अभ्यर्थियों में अपना विश्वास खो दिया है। प्रतियोगी छात्र अब यह मानने लगे हैं कि आयोग अगस्त में भी परीक्षा नहीं करा सकेगा। परीक्षा की नई तीथि घोषित किए जाने और नई भर्ती का विज्ञापन जारी किए जाने की मांग को लेकर प्रतियोगी छात्र मोर्चा के बैनर तले जल्द ही आयोग पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

तीन साल से 13 .19 लाख अभ्यर्थियों को इंतजार

अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) के 3539 पदों और प्रवक्ता (पीजीटी) के 624 पदों पर भर्ती के लिए नौ जून 2022 को विज्ञापन जारी कर आवेदन मांगे गए थे। आवेदन की अंतिम तिथि नौ जुलाई 2022 से बढ़ा दी थी और16 जुलाई 2022 तक आवेदन लिए गए थे। इन दोनों भर्तियों के लिए कुल 13.19 लाख ने आवेदन किए थे, जिनमें पीजीटी के 4.50 लाख व टीजीटी के लिए 8.69 लाख अभ्यर्थी पंजीकृत हैं।

फिलहाल जमानत नहीं

बर्खास्त आईपीएस मणिलाल की जमानत याचिका पर सुनवाई

नई दिल्ली। 2014 बैच के बर्खास्त आईपीएस अधिकारी मणिलाल पाटीदार, जो महोबा के एक व्यापारी की आत्महत्या के लिए उकसाने और भ्रष्टाचार के मामले में आरोपी हैं, को सुप्रीम कोर्ट से फिलहाल जमानत नहीं मिली है। जस्टिस एस वी एन भट्टी की बेंच ने यूपी सरकार को एक अर्जी पर जवाब दाखिल करने के लिए और समय देते हुए मामले की अगली सुनवाई 17 जुलाई 2025 को निर्धारित की है।

क्या है पूरा मामला? : मणिलाल पाटीदार पर सितंबर 2020 में महोबा जिले के क्रशर व्यवसायी इंद्रकांत त्रिपाठी से रिश्वत मांगने, उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित करने और आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप है। त्रिपाठी ने गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी, जिसके बाद पाटीदार के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया. हालांकि, विशेष जांच दल (SIT) की जांच के बाद हत्या का आरोप हटा लिया गया, लेकिन आत्महत्या के लिए उकसाने और भ्रष्टाचार के आरोप बरकरार रहे।

पाटीदार लगभग दो साल तक फरार रहे और इस दौरान यूपी पुलिस ने उन पर एक लाख रुपये का इनाम भी घोषित किया था।

अफजल हत्याकांड

इतने चाकू मारे कि अंग बाहर आकर लटक गए

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

मेरठ। मेदपुर गांव में भद्दी टिप्पणी के बाद शुरु हुआ विवाद अफजल की हत्या पर आकर थमा। पुलिस ने हत्याकांड के दूसरे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो आरोपी अभी भी फरार हैं।

भावनपुर थाना क्षेत्र के मेदपुर गांव में दर्जी अफजल (18) की चाकुओं से गोदकर एलानिया हत्या में पुलिस ने आरोपी नौशाद को भी गिरफ्तार कर लिया है। इसरार को सोमवार शाम ही पकड़ लिया गया था। दोनों को मंगलवार को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। आरोपी चांद और समीर की पुलिस तलाश कर रही है। किसी अप्रिय घटना की आशंका के चलते गांव में पुलिसबल तैनात किया गया है।

दिन बहुरे : फिर टूरिस्टों से गुलजार हुई घाटी

फिर टूरिस्टों से गुलजार हुई घाटीकश्मीर में गेमचेंजर साबित हो रही वंदे भारत एक्सप्रेस

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

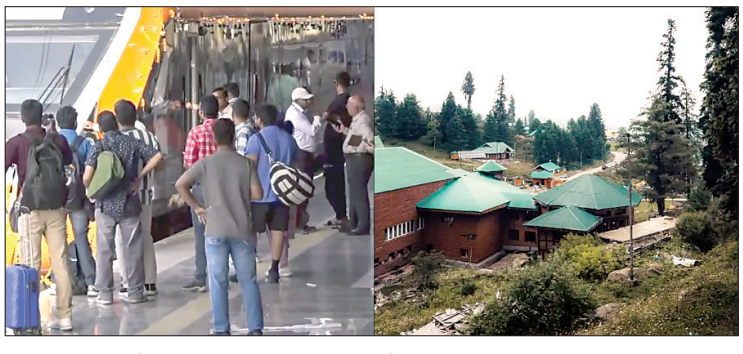

जम्मू-कश्मीर। हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले ने कश्मीर के पर्यटन उद्योग को गहरा धक्का पहुंचाया था। इस आतंकी हमले के बाद होटलों, हाउसबोटों और झोपड़ियां 90 फीसदी तक खाली हो गईं। हालांकि, कश्मीर तक ट्रेन कनेक्टिविटी की शुरुआत, खासकर वंदे भारत एक्सप्रेस का लांच, इस क्षेत्र के लिए एक नया सवेरा लेकर आया है और पर्यटन उद्योग को फिर से पटरी पर लाने में अहम भूमिका निभा रहा है।

वंदे भारत मिशन के लॉन्च होने के बाद पिछले 4 दिनों में, 4576 यात्री ट्रेन से कश्मीर पहुंचे हैं, जिनमें से लगभग 3200 पर्यटक थे। इनमें से ज्यादातर पर्यटक दर्शन के लिए कटरा आए थे और कटरा से कश्मीर पहुंचे।

वंदे भारत एक्सप्रेस ने जगाई उम्मीद : 6 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कटरा को श्रीनगर से जोड़ने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस का उद्घाटन किया था। यह उम्मीद की जा रही है कि यह ट्रेन जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था में 7-8 फीसदी का योगदान देने वाले कश्मीर के पर्यटन उद्योग को एक बड़ा बढ़ावा देगी। ऐसे समय में जब कश्मीर के होटल, हाउसबोट और झोपड़ियां लगभग खाली पड़ी थीं, ट्रेन कनेक्टिविटी ने एक नई उम्मीद जगाई है कि यह कश्मीर के पर्यटन को पुनर्जीवित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

समय, पैसा और सुरक्षा : ट्रेन से कश्मीर तक यात्रा करना कम समय, कम पैसे और पूरी सुरक्षा सुनिश्चित करता है। ट्रेन से, कोई भी सुबह कश्मीर पहुंच सकता है और शाम को वापस आ सकता है। पर्यटन व्यापारियों का मानना है कि यह कश्मीर के लिए एक बेहतरीन तोहफा है।

यह ट्रेन कटरा-श्रीनगर की 190 किलोमीटर की दूरी तीन घंटे से भी कम समय में तय करती है, जिससे सड़क यात्रा का समय आधा रह जाता है। यह साल भर चलेगी। रेल सभी मौसमों में विश्वसनीय है, जिससे पर्यटकों के लिए निर्बाध पहुंच सुनिश्चित होती है।

आरएसएस का कार्यकर्ता विकास वर्ग कार्यक्रम संपन्न

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ, पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र का कार्यकर्ता विकास वर्ग प्रथम (सामान्य) का समापन कार्यक्रम दीनदयाल उपाध्याय सनातन धर्म विद्यालय, कानपुर में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मंच पर मुख्य अतिथि पद्मश्री उमा शंकर पाण्डेय,मुख्य वक्ता प्रज्ञा प्रवाह के अखिल भारतीय संयोजक जे. नंद कुमार के साथ ही कानपुर विभाग के विभाग संघचालक डॉ. श्याम बाबू व वर्ग के सर्वाधिकारी भुवनेश्वर वर्मा उपस्थित रहे।

समापन कार्यक्रम दीनदयाल उपाध्याय सनातन धर्म विद्यालय, कानपुर में आयोजित किया गया

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता जे. नंद कुमार ने कहा कि कार्यकर्ता निर्माण के बिना हम इस राष्ट्र को परम वैभव पर नहीं पहुंचा सकते हैं। संघ की स्थापना समाज के सामने आदर्श प्रस्तुत करने के लिए हुई थी। संघ की शाखा में हर दिन राष्ट्र का चिंतन किया जाता है। 100 साल से हम एक ही कार्य कर रहे हैं।आज हम विश्व को एक दिशा देने की स्थिति में हैं। इसके पीछे संघ की शाखा तथा संघ के स्वयंसेवक हैं। हमने ऋषि व मुनियों की तपस्या और त्याग को सामने रखकर कार्य प्रारम्भ किया था। आज हजारों स्वयंसेवक इससे प्रेरणा लेकर कार्य कर रहे हैं। आज भी बहुत से क्षेत्रों तक पहुंचना शेष है। भारत हिन्दू राष्ट्र था,हिन्दू राष्ट्र है और हिन्दू राष्ट्र रहेगा। हजारों लोग इसी भावना से प्रेरणा लेकर कार्य कर रहे हैं। मुख्य वक्ता ने आगे कहा कि इस बार नागपुर में कार्यकर्ता विकास वर्ग (द्वतीय) के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में एक बड़ी विपक्षी पार्टी के प्रतिनिधि आए थे। इस कार्यक्रम में कई देशों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। यह भी हमारी सामाजिक शक्ति को दिखाता है। आप सभी स्वयंसेवकों को इस वर्ग से जाकर कोई भी हो, सभी को एक करने का प्रयास करना है। इस पीढ़ी के स्वयंसेवकों को स्वार्थी होकर अपने जीवन में राष्ट्र को परम वैभव पर पहुंचाने के लिए तेजी के साथ प्रयास करना है। 100 वर्ष पूर्ण होने पर संघ ने तेजी से कार्य करने का लक्ष्य लिया है। इसके लिए हम पंच परिवर्तन की बात कर रहे हैं। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा कि हमने इसके माध्यम से पाकिस्तान ही नहीं अमेरिका और चीन को भी उत्तर दिया है। क्योकि पाकिस्तान के पास इन दोनों देशों के हथियार थे।मुख्य अतिथि पद्मश्री उमा शंकर पाण्डेय ने कहा कि जल है, तो कल है। हमारे पास सिर्फ एक प्रतिशत मीठा जल है। हम कुंटलों लकड़ी का प्रयोग करते हैं, लेकिन हमने कितने पेड़ लगाए। सुदर्शन और नाना देशमुख से प्रेरित होकर मैंने जल पर काम किया। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी ने कहा था कि तीसरा विश्व युद्ध जल के लिए होगा।सम्बोधन से पूर्व शिक्षार्थियों ने 20 दिन वर्ग में रहकर जो शारीरिक अभ्यास किया था, उसका सार्वजनिक प्रदर्शन हुआ। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अखिल भारतीय सह गौसेवा प्रमुख नवल,क्षेत्र प्रचारक अनिल,क्षेत्र कार्यवाह वीरेंद्र जयसवाल, सह क्षेत्र कार्यवाह अनिल श्रीवास्तव, क्षेत्र प्रचार प्रमुख सुभाष, क्षेत्र बौद्धिक प्रमुख मिथिलेश कुमार, क्षेत्र शारीरिक प्रमुख अखिलेश, क्षेत्र सेवा प्रमुख युद्धवीर, प्रांत प्रचारक श्रीराम,प्रांत संघचालक भवानी तिवारी, सह प्रांत प्रचारक मुनीष, प्रांत प्रचार प्रमुख डॉ. अनुपम,प्रांत सेवा प्रमुख अमीर यादव,वर्ग कार्यवाह देवेंद्र अस्थाना,विभाग प्रचारक बैरिस्टर,विभाग प्रचार प्रमुख आशीष, सारांश आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

छात्रा पर धर्मांतरण का दबाव और बम मारने की धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। छात्रा पर धर्मांतरण का दबाव बनाने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस छात्रा के जीजा की तहरीर पर रिपोर्ट दर्जकर तलाश में जुटी थी।जाजमऊ पुलिस ने इंटर की छात्रा से धर्म परिवर्तन कराने के लिए दबाव बनाने वाले आरोपी मो.अल्तमश खान को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने छात्रा को बम मारकर घर तबाह करने की धमकी दी थी। जिससे डरकर छात्रा ने सुरक्षा की गुहार लगाते अपना वीडियो सोशल मीडिया पर डाला था।

पीड़िता के मामा से आरोपी बना रहा था समझौते का दबाव

पुलिस छात्रा के जीजा की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर तलाश में जुटी थी।ओमपुरवा निवासी 16 वर्षीय किशोरी इंटर की छात्रा है। छात्रा के अनुसार तीन वर्ष पहले उसकी एक सहेली के दोस्त अल्तमश से उसकी बात हुई थी। जिसके बाद से अल्तमश उसे स्कूल और फोन कर धमकाता था। इतना ही नहीं, अल्तमश ने धमकी दी थी कि धर्म परिवर्तन कर लो, नहीं तो इतने बम मारूंगा कि तुम्हारा घर तबाह हो जाएगा। तुम्हारे मां-बाप को भी खत्म कर दूंगा। धमकी के बाद से डरी-सहमी छात्रा ने वीडियो वायरल कर आरोपी को सजा देने की मांग के साथ सुरक्षा की गुहार लगाई थी। जाजमऊ थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि मंगलवार दोपहर को आरोपी मो.अल्तमश खान को ओमपुरवा से गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से जेल भेज दिया गया।

बजरिया थानाक्षेत्र के कंघी मोहाल निवासी आरोपी मो अल्तमश खान ने पीड़िता के ओमपुरवा निवासी मामा से संपर्क किया। आरोपी उनसे समझौते का दबाव बनाने लगा। मना करने पर गालीगलौज करने लगा। तभी पुलिस ने आरोपी को दबोच लिया।

(गुस्ताखी माफ़)

केडीए अफसरों के बंगलों के सामने तन गई अवैध बिल्डिंग

» प्रवर्तन दस्ते ने कार्रवाई के नाम पर किया दिखावा

» केडीए वीसी के निर्देशों का नहीं हो रहा प्रवर्तन दस्ते पर असर

स्वराज इंडिया में 6 मई 2025 को प्रकाशित हुई थी रिपोर्ट

स्वराज इंडिया www.swarajindianews.com कानपुर सिटी कानपुर, मंगलवार 06 मई, 2025 04

केडीए में अवैध निर्माण रोकने के नाम पर जमकर धांधली

» प्रवर्तन तैनात अधिकारी और कर्मचारी जमकर धन उगाही में जुटे हैं

» बिना नक्शे और नक्शे के विपरीत धडाधड़ धड़ हो रहे हैं शहर में निर्माण

सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देशों का नहीं हो रहा पालन

मोतीझील मेट्रो स्टेशन के पास केडीए अफसर के बगलें के सामने खड़ी हो गई नक्शे के विपरीत इमारत

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। अवैध निर्माण रोकने के लिए सीएम योगी आदित्यनाथ स्वयं कई निर्देश जारी कर चुके हैं और सुप्रीम कोर्ट ने भी अवैध निर्माणों पर सख्त एक्शन लेने को कहा था। कानपुर ... वर्तमान समय में ... अनाधिकृ...

80 फीट रोड पर गुरुद्वारा के पास कुछ माह पहले बनाया गया बिना पार्किंग के गेस्ट हाउस

जोन 1 में 80 फीट बनारसी चाय के दुकान के बगल में बन रही मानकों के विपरीत शोरूम

पीरोड, 80 फिट रोड, हर्षनगर, जेके मंदिर रोड से मरियमपुर चौराहे तक, गुमटी नंबर-5 बाजार, बिरहाना रोड, आर्यनगर, स्वरूपनगर, गोविंदनगर, किदवईनगर, जाजमउ, श्यामनगर, इंदिरानगर और कल्यानपुर सहित अन्य इलाके हैं जहां मुख्य रोड वाले दोनों छोर के आवासीय मकानों को शोरूम, अस्पताल, रेस्टोरेंट व अन्य व्यासायिक प्रतिष्ठान में तब्दील कर दिया गया है। वहीं, केडीए मुख्यालय के सामने मेट्रो स्टेशन के पास जूते का बडा शोरूम खोल दिया गया उसमें भी पार्किंग नहीं है। स्वरूपनगर में मेट्रो स्टेशन के बगल में एक शोरूम और खुलने वाला है। इनमें न तो पार्किंग का इंतजाम है और न ही अन्य सुरक्षा की व्यवस्था। यह निर्माण रातों रात नहीं खडे हुए, जिम्मेदारों की सहमति से निर्माण चलते रहे। ऐसे में आए दिन लोग जाम से जूझते हैं और घटनाएं होती हैं अलग से, कोई देखने वाला नहीं है, सब सरकार पर डालकर पल्ला-झाड लेते हैं।

अवैध इमारत में एक दिन पूर्व खोल दिया गया मुगलई रेस्टोरेंट

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर में अवैध और अनाधिकृत निर्माण रोकने के नाम पर केडीए में गठित प्रवर्तन दस्ता उगाही दल बनकर रह गया है।

शहर में कई हिस्सों में धडाधड अनाधिकृत निर्माण और प्लाटिंग चल रही हैं लेकिन दस्ते को नहीं दिख रहा है। अब देखिए मोतीझील मेट्रो स्टेशन के पास केडीए अफसरों के बंगलों के सामने अनाधिकृत निर्माण कर बिल्डिंग खडी कर दी गई लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई।

कानपुर शहर में मनमाने निर्माण रोकने के लिए केडीए में 4 जोन बनाए गए हैं। पीसीएस स्तर के अधिकारी हर जोन के प्रभारी हैं, कई इंजीनियरों के साथ सुपरवाइजरों की फौज तैनात है। 'स्वराज इंडिया' ने 6 मई 2025 को एक न्यूज रिपोर्ट प्रकाशित की थी, उसमें जोन-2 के कई अवैध निर्माणों का जिक्र किया गया था। इनमें केडीए अफसरों के बंगलों के सामने कार्नर पर निहाल अहमद नाम के बिल्डर ने व्यसायिक कम आवासीय नक्शे में आवासीय कम व्यावसायिक बिल्डिंग तान दी। इनपुट है कि केडीए के जिम्मेदारों को इसकी जानकारी भी थी लेकिन कार्रवाई के नाम पर सौदेबाजी कर ली गई। इसी तरह से जोन-4 में नौसिखिए सहायक अभियंताओं को प्रवर्तन का जिम्मा दे दिया गया है।

वह दोनों अवैध निर्माण रोकने के नाम पर घूम घूम कर वसूली और उगाही में जुटे हुए हैं।

कई इमारतों में एक्सट्रा स्लैब डलवा दी गई और स्थानीय सुपरवाइजरों को मौके पर जाने से मना कर दिया गया है। इससे जोन 4 में धांधलियां चरम पर हैं। केडीए में जिम्मेदार अधिकारी मौन साधे हुए हैं। इस वजह से प्रवर्तन में उगाही चरम पर बढती जा रही है।

दीपू चौहान फूड कोर्ट मामले में हीलाहवाली जारी

भौंती स्थित निर्माणाधीन फूड कोर्ट के अवैध निर्माण पर कार्रवाई के नाम पर लगातार हीलाहवाली की जा रही है। ऐसा प्रतीत हो रहा है केडीए के अधिकारी जानबूझकर टालमटोली कर रहे हैं और कार्रवाई की खानापूर्ति हो रही है। जब कि जानते हैं निर्माण अवैध किया गया है, इसके बाद भी एक्शन न ले पाना अपने आप में सवाल खडे करता है। वहीं, वीसी मदन सिंह गर्ब्यांयाल ने बताया कि मामला संज्ञान में है। सचिव को कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया है।

5 साल की मासूम से दरिंदगी

- मां की तलाश के दौरान खुद ही बच्ची को लाया आरोपी, खून से सनी हालत में किया इशारा
- 13 घंटे से आईसीयू में बेहोश है बच्ची, अस्पताल में दिखी अव्यवस्था, परिवार बेहाल
- पॉक्सो एक्ट व हत्या की कोशिश में केस दर्ज, आरोपी की तलाश में पुलिस की चार टीमें जुटीं

कानपुर हैलट इमरजेंसी के आईसीयू में चल रहा इलाज

इसी जगह ईंट से कुचला था बच्ची को

फॉरेंसिक टीम के साथ जांच करती पुलिस

प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। घाटमपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार शाम एक रूह कंपा देने वाला मामला सामने आया, जहां एक 5 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म कर उसकी हत्या की कोशिश की गई।

पड़ोस में रहने वाले युवक कल्लू ने दुकान जा रही बच्ची को अगवा कर लिया और कुछ दूरी पर स्थित सैय्यद बाबा की मजार के पीछे ले गया। वहां बच्ची के साथ दरिंदगी की। बच्ची जब चीखने लगी तो आरोपी ने उसके मुंह में मिट्टी और पत्ते ठूंस दिए ताकि कोई आवाज बाहर न जाए। इसके बाद सिर पर ईंट से कई वार कर उसकी जान लेने की कोशिश की। जब बच्ची की मां उसे तलाशते हुए बाहर आईं, तो आरोपी खुद ही बच्ची को उठाकर लाया – जो कि खून से लथपथ और बेहोशी की हालत में थी।

मां ने देखा तो बच्ची इशारे से आरोपी की तरफ दिखाकर हुई बेहोश

बच्ची के देर तक वापस न लौटने पर उसकी मां ने पहले बेटे को देखने भेजा और फिर खुद मोहल्ले में ढूंढने निकलीं। घर के सामने ही कल्लू नाम का युवक हाथ-पैर धो रहा था, जिससे पूछने पर उसने कहा कि उसे बच्ची दिखाई नहीं दी। तभी बच्ची की हल्की चीख सुनाई दी, तो कल्लू खुद दौड़कर मजार के पीछे से बच्ची को लेकर आया। बच्ची के सिर और चेहरे से खून बह रहा था, कपड़े अस्त-व्यस्त थे, मुंह में मिट्टी भरी हुई थी और प्राइवेट पार्ट से भी खून आ रहा था। मां को देखते ही बच्ची ने इशारे से आरोपी की तरफ दिखाया और फिर अचेत हो गई। वहां खून से सनी ईंट और 25 रुपए पड़े थे, जो बच्ची घर से सामान लाने के लिए लेकर गई थी। परिवार बच्ची को पहले ष्ट ाष्ट और फिर हैलट अस्पताल ले गया।

13 घंटे से बेहोश बच्ची ICU में भर्ती, अस्पताल में अव्यवस्थाएं, आरोपी फरार

हैलट अस्पताल में इलाज के दौरान भी व्यवस्थाएं लापरवाह रहीं। देर रात करीब 1 बजे बच्ची को इमरजेंसी से बाल रोग विभाग के ब्लष्ट में ले जाया गया, लेकिन रास्ता 400 मीटर ऊबड़-खाबड़ होने के कारण बच्ची को स्ट्रेचर पर ले जाना मुश्किल हो गया। सिर पर गंभीर चोट थी, और लिफ्ट खराब होने के कारण डॉक्टरों को 15 मिनट तक इंतजार करना पड़ा। बच्ची अब भी आईसीयू में है और बीते 13 घंटे से उसे होश नहीं आया। मां सदमे में हैं, बार-बार रोकर बेहोश हो रही हैं। परिवार के 10 से अधिक सदस्य रातभर बच्ची के सिरहाने बैठे हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म, हत्या की कोशिश और पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी कल्लू फरार है, और उसकी तलाश में चार टीमें गठित की गई हैं। ष्टक्कसाउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि आरोपी मोबाइल नहीं रखता, इसलिए ट्रेस करने में समय लग रहा है। जल्द गिरफ्तारी का दावा किया गया है।

स्वराज इंडिया

www.www.swarajindianews.com.com

वैचारिक मंच

सम्पादकीय

लैंगिक व क्षेत्रीय विभेद से भी मिले मुक्ति

निस्संदेह, भारत की साक्षरता का प्रतिशत करीब 81 फीसदी होना एक सराहनीय उपलब्धि व मील का पत्थर ही है। देश की आजादी के वक्त की साक्षरता स्थिति से इसकी तुलना करें तो इसे उपलब्धि की तौर पर देखा जाना चाहिए। किसी समाज में साक्षरता का स्तर उसकी प्रगति का आईना ही होता है। ये आंकड़े हमारे समाज की शिक्षा तक पहुंच में निरंतरता का पर्याय भी हैं। हालांकि, 2023-24 के आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण यानी पीएलएफएस के आंकड़ों से यह भी उजागर होता है कि सार्वभौमिक साक्षरता की ओर राष्ट्र का यह कदम निरंतर कई असमानताओं से भी बाधित है। खासतौर पर यह भेद लिंग और क्षेत्रीय आधार पर नजर आता है। उदाहरण के लिए देखें तो शहरी क्षेत्रों में साक्षरता की दर ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में अधिक है। जिसका मुख्य कारण शहर केंद्रित विकास को तरजीह व शिक्षा के लिये अनुकूल परिस्थितियों का होना भी है। आंकड़े बताते हैं कि शहरी भारत में साक्षरता की दर 88.9 है, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में यह 77.5 फीसदी ही हो पायी है। निश्चित रूप से विभिन्न राज्यों में प्रतिध्वनित यह शहरी व ग्रामीण साक्षरता का अंतर शिक्षा के बुनियादी ढांचे, योग्य शिक्षकों की उपलब्धता और सीखने के अवसरों में असमानता को ही दर्शाता है। कमोबेश इसी प्रकार देश के विभिन्न राज्यों में लैंगिक असमानताएं भी नजर आती हैं। यह विडंबना की कही जाएगी कि कई राज्यों में लड़कियों की शिक्षा पर दशकों से नीतिगत स्तर ध्यान केंद्रित करने के बावजूद पुरुष साक्षरता महिला साक्षरता के मुकाबले कहीं आगे नजर आती है। निश्चित रूप से इसके मूल में सामाजिक रूढ़ियां, सामाजिक चेतना का अभाव व आर्थिक विकास की विसंगतियां निहित हैं। जिसके चलते लड़कियों को शिक्षा के पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाते। जटिल भौगोलिक परिस्थितियों के बीच स्कूलों की दूरी और आवागमन की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध न हो पाना भी महिला शिक्षा के प्रतिशत में गिरावट का कारक बनती है। इन तमाम कारणों को नये सिरे से संबोधित करने की जरूरत है। लेकिन वहीं कुछ राज्यों में लक्ष्यों पर केंद्रित अभियानों व शासन-प्रशासन की सक्रियता के सकारात्मक परिणाम भी सामने आए हैं। लक्षद्वीप, दिल्ली, तमिलनाडु और त्रिपुरा के परिणाम दर्शाते हैं कि जब शासन की सक्रियता, लोगों की पहुंच और सामुदायिक जुड़ाव एक साथ आते हैं तो कुछ भी संभव है। दरअसल, आर्थिक विसंगतियों से जूझते व सामाजिक व आर्थिक सुधारों को अमल में न ला सकने वाले राज्य साक्षरता के लक्ष्य राष्ट्रीय अनुपात में नहीं प्राप्त कर सके। सबसे कम साक्षरता दर वाले बिहार की स्थिति गरीबी,अपर्याप्त स्कूली शिक्षा, सांस्कृतिक कारकों व शिक्षा की राह में बाधा डालने वाली सामाजिक बाधाओं के जटिल अंतर्संबंध को रेखांकित करती है।हम किस तरह की साक्षरता विकसित कर रहे हैं? क्या शिक्षा की गुणवत्ता इस स्तर की है कि वो लोगों के जीवन में व्यापक बदलावों का कारक बन सके? बात सिर्फ आंकड़ों की नहीं है पड़ताल इस बात की भी की जानी चाहिए कि साक्षरता क्या वास्तव में प्रगतिशील सोच, नागरिक दायित्वों और आर्थिक जीवन में सार्थक रूप से भाग लेने की क्षमता विकसित करती है? इन हालिया आंकड़ों में जो शामिल नहीं हो सके हैं।

नशे के खिलाफ़ मुहिम तेज़ करने की जरूरत

गुरूबचन जगत

नशे और अवैध शराब के खिलाफ़ मुहिम प्रशंसनीय है। इस अभियान में पुलिस सबसे आगे है। लेकिन नशे व इसकी तस्करी की समस्या को संबोधित करने को राज्य को सामाजिक-आर्थिक और सेहत संबंधी पहलुओं पर भी अवश्य ध्यान देना होगा क्योंकि यह मात्र कानून-व्यवस्था का मामला नहीं। इसके अध्ययन और समाधान सुझाने के लिए कार्यात्मक समूह गठित करने की जरूरत है।

लगता है नशे और अवैध रूप से बनाई गई शराब के खिलाफ़ पंजाब सरकार ने जंग करने का मन बना लिया है। अवैध शराब का इतिहास शायद उतना ही पुराना है जितना कि मानव जाति का क्रमिक विकास। कर्मस्थली के रूप में मेरी पहली पोस्टिंग बतौर एसपी कपूरथला हुई थी।

जो उस समय सिर्फ़ छह पुलिस थानों वाला एक छोटा सा जिला था। उस वक्त की कानून-व्यवस्था की समस्याओं में से एक थी नदी के किनारे अवैध शराब उत्पादन। घनी झाड़ियों वाले इलाके में छिपी शराब भट्टियां धड़ल्ले से चलती थीं। खुफिया सूचनाओं के आधार पर, हमने पूरे इलाके में व्यापक संयुक्त छापे मारे, बड़ी संख्या में शराब बनाने वालों को गिरफ़्तार किया और बड़ी मात्रा में 'लाहन' और शराब बनाने वाले कुंड जब्त किए।आज पचास साल बाद भी, जारी इस लड़ाई के बारे में पढ़ता रहता हूं, हालांकि अब ज़्यादा मैनपॉवर और तकनीक उपलब्ध है। अफीम और भुक्की, जुआ, वेश्यावृत्ति, आदि के खिलाफ भी ऐसे ही अभियान चलाए गए थे। हालांकि, उस समय समस्या का पैमाना आज की तुलना में नाममात्र था। नशीले पदार्थ, विशेषतया रासायनिक किस्म के, इनकी आमद भी नशे की दुनिया में हो गई है और राज्य के साथ-साथ देश भर के सीमावर्ती क्षेत्रों (विशेष रूप से पश्चिमी तट पर, जहां पर भारी मात्रा में जब्तियां की गई हैं) में बड़े-बड़े गिरोह सक्रिय हैं, लेकिन इन नशीले पदार्थों के वास्तविक स्रोत और ठिकाने के बारे में कोई विवरण उपलब्ध नहीं। फिर, मैं एक के बाद एक आई सरकारों के सामाजिक बुराइयों से निबटने के रवैये से भी हैरान हूं। कोई भी देश मानवीय बुराइयों को खत्म नहीं कर पाया है, क्योंकि वे सभ्यता जितनी पुरानी हैं; हालांकि, उन्होंने बेहतर संतुलन बनाने के लिए प्रयास किए।

अमेरिका ने एक सदी पहले शराबबंदी का प्रयोग किया था, लेकिन हश्र अपराध सरगनाओं और अनियंत्रित माफिया के रूप में मिला। अंततः अधिकांश देशों ने अपने-अपने समाज के हिसाब से खोजे विशिष्ट समाधानों के माध्यम से समाज के अपराधीकरण और अनियंत्रित नशा कारोबार को कम-से-कम रखने की कोशिश की है। कुछ ने कम एल्कोहल वाले पेय पदार्थों को बढ़ावा दिया, तो कईयों ने भांग और इसी तरह के हल्के नशीले पदार्थों को वैध बना दिया। हालांकि वे हार्ड ड्रग्स और उनकी बच्चों को आपूर्ति के मामले में काफी सख्त हैं। शराब और ड्रग्स के शरीर एवं दिमाग पर पड़ने वाले असर को समझाने के लिए लगातार जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं। आईएसआई ने हथियार, गोला-बारूद और प्रशिक्षण की आपूर्ति की। अफगानिस्तान में सोवियत संघ के खिलाफ मुजाहिदीनों द्वारा जिस रणनीति में निपुणता पाई थी, उसका इस्तेमाल यहां भी किया गया, साथ ही गोला-बारूद का भी। एके-47 एक खतरनाक हथियार बन गया (अधिकांश पर अफगान मार्का हुआ करता था) और इससे आतंकवादियों की मारक शक्ति बढ़ी। उद्योग-धंधे चौपट हो गए या पलायन कर गए; हत्याओं से परिवार टूट गए; जबरन वसूली एक स्थाई खौफ बन गई। हजारों लोग मारे गए - नागरिकों के अलावा पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवान भी। इतने बड़े पैमाने पर पड़े शारीरिक, मनोवैज्ञानिक और आर्थिक आघातों को दूर करने के लिए कोई बड़ा प्रयास नहीं किया गया।जीवन के तमाम मापदंडों पर एक पूरा सूबा लगभग तबाह हो गया और इस उथल-पुथल के कारणों और प्रभावों की जांच करने और उपाय सुझाने के लिए एक भी आयोग का गठन नहीं किया गया। लोगों को इससे खुद ही निबटने के लिए छोड़ दिया गया - काफी लोग पलायन कर गए।

विश्वविद्यालयों में बदलाव की अर्थपूर्ण पहल

'कुलपति' से 'कुलगुरु'

डॉ. सुधीर कुमार

जेएनयू द्वारा 'कुलपति' के स्थान पर 'कुलगुरु' पदनाम अपनाना केवल भाषाई परिवर्तन नहीं, बल्कि भारतीय शिक्षा प्रणाली में गुरु-शिष्य परंपरा, नैतिक मूल्यों और सांस्कृतिक चेतना को पुनर्जीवित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की कुलपति द्वारा अपने पदनाम को 'कुलपति' से बदलकर 'कुलगुरु' करने का निर्णय शिक्षा जगत में एक विचारणीय पहल है। यह सिर्फ एक शब्द का बदलाव नहीं, बल्कि इसके पीछे भारतीय ज्ञान परंपरा, शैक्षणिक मूल्यों और गुरु-शिष्य परंपरा को पुनः स्थापित करने की सोच निहित है। इस कदम पर व्यापक चिंतन की आवश्यकता है।

'कुलपति' शब्द 'कुल' (परिवार या समुदाय) और 'पति' (स्वामी या मुखिया) से मिलकर बना है। यह प्रशासनिक अधिकार और स्वामित्व का बोध कराता है। इसमें सम्मान और अधिकार का भाव तो है, लेकिन शिक्षा और मार्गदर्शन का उतना नहीं। 'कुलगुरु' शब्द का मूल संस्कृत में है, और यह 'कुल' (परिवार/समूह) और 'गुरु' (शिक्षक/मार्गदर्शक) से मिलकर बना है। यह शब्द न केवल प्रशासनिक प्रमुखता को दर्शाता है, बल्कि इससे कहीं अधिक, यह ज्ञान, मार्गदर्शन, नैतिक नेतृत्व और छात्रों के प्रति पितृतुल्य स्नेह की भावना को भी समाहित करता है। 'कुलगुरु' वह होता है जो अपने कुल के सदस्यों को ज्ञान के मार्ग पर ले जाता है, उनके आध्यात्मिक और बौद्धिक विकास में सहायता करता है। एक विश्वविद्यालय केवल डिग्रियां बांटने वाली संस्था नहीं,

बल्कि ज्ञान का मंदिर और छात्रों के व्यक्तित्व निर्माण का केंद्र होता है, और शिष्य -परंपरा के प्रति गहन प्रतिबद्धता को भी समाहित करता है।

स्पष्ट है कि 'गुरु' शब्द में जो सम्मान, त्याग, ज्ञान और परोपकार का भाव निहित है, वह 'पति' शब्द में नहीं। एक विश्वविद्यालय का प्रमुख केवल उसका प्रशासक नहीं होना चाहिए, बल्कि उसका 'गुरु' होना चाहिए, जो छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को ज्ञान, नैतिकता और समग्र विकास के मार्ग पर प्रेरित करे।

निःसंदेह, विश्वविद्यालयों के प्रमुखों के लिए 'कुलगुरु' की उपाधि 'कुलपति' से कहीं अधिक उपयुक्त और श्रेष्ठ है। यह एक प्रतीकात्मक बदलाव हो सकता है, लेकिन इसका गहरा मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक प्रभाव पड़ेगा। यह विश्वविद्यालय के प्रमुख को केवल एक प्रबंधक नहीं, बल्कि एक मार्गदर्शक, एक संरक्षक और एक ज्ञानी व्यक्ति के रूप में स्थापित करेगा जो अपने 'कुल' के सभी सदस्यों के प्रति जिम्मेदार है। हां, यह बदलाव रातों-रात नहीं होगा और इसके लिए गहन विचार-विमर्श और सर्वसम्मति की आवश्यकता होगी।देश के विश्वविद्यालय को इस बदलाव पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। यह केवल एक भाषाई बदलाव नहीं, बल्कि एक वैचारिक बदलाव है जो भारतीय शिक्षा प्रणाली को उसकी मूल भावना से जोड़ सकता है। अन्य विश्वविद्यालयों द्वारा 'कुलपति' के स्थान पर 'कुलगुरु' की उपाधि अपनाना एक सकारात्मक और दूरगामी कदम होगा। यह बदलाव विश्वविद्यालय के प्रमुख की भूमिका को केवल प्रशासनिक मुखिया से ऊपर उठाकर एक नैतिक और शैक्षणिक मार्गदर्शक के रूप में स्थापित करेगा, जिससे भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा का पुनरुद्धार होगा। यह हमारी संस्कृति और मूल्यों के प्रति सम्मान का प्रतीक भी बनेगा।

हालांकि, यह भी समझना आवश्यक है कि केवल पदनाम बदलने से रातों-रात बदलाव नहीं आ जाएगा। 'कुलगुरु' की उपाधि को सार्थक बनाने के लिए कुलपति को वास्तव में गुरु की भूमिका निभानी होगी।

नाबालिग लड़की को कानपुर लाया, होटल में किया दुष्कर्म और मारपीट

घंटाघर स्टेशन और उसके आसपास के होटलो में नाबालिक जोड़ों को दिए जा रहे रूम

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। घंटाघर और उसके आसपास के होटलो में नाबालिक जोड़ों को रूम देने का सिलसिला नहीं थम रहा है। जनपद मिर्जापुर की रहने वाली एक नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर प्रयागराज होते हुए कानपुर लाने और फिर उसके साथ दुष्कर्म तथा मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता अपने घर से नाराज होकर प्रयागराज चली गई थी, जहाँ उसकी मुलाकात राजू तिवारी नामक एक व्यक्ति से हुई।

जानकारी देते पुलिस के अधिकारी

इसी होटल में नाबालिक के साथ दुष्कर्म किया गया

राजू तिवारी ने उसे घर छोड़ने का झांसा देकर फतेहपुर के रास्ते कानपुर ले आया। कानपुर पहुंचकर वह लड़की को शहर के घंटाघर क्षेत्र स्थित एक अपोलो होटल में ले गया। वहीं पर आरोपी ने कथित रूप से उसके साथ जबरदस्ती की और मारपीट की।

आपको बता दे ये होटल अपोलो वही होटल हैं जिसके कई सारे वीडियो वायरल हो चुके हैं जिसमें मैनेजर कस्टमरों से सेक्स की डील करते दिखाई पड़ रहा था लेकिन स्थानीय पुलिस ने उस वीडियो पर कोई कारवाही नहीं की थीं और अब ये घटना घट गई लेकिन रात्रि में किसी तरह मौका पाकर पीड़िता ने अपने एक रिश्तेदार व 112 पर कॉल करके पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस व 112 की टीम मौके पर पहुँची, लेकिन तब तक आरोपी होटल से फरार हो चुका था।

पुलिस द्वारा पीड़िता को सकुशल बरामद कर लिया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए हरवंशमोहाल थाने से चार टीमें आरोपी की गिरफ्तारी के लिए गठित की गई हैं।

इस संबंध में सहायक पुलिस आयुक्त, कलक्टरगंज,आशुतोष सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल सक्रिय हुई और पीड़िता को सुरक्षित बरामद कर लिया गया है। आरोपी की गिरफ्तारी हेतु विशेष टीमें गठित कर दी गई हैं। संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

पुलिस होटल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और आरोपी के संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

घटना ने नाबालिगों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं नाबालिक को बगैर आईडी प्रूफ के कैसे रूम दिया गया जब लड़की के साथ मारपीट कर जबरजस्ती की जा रही थीं तो चीखने चिल्लाने पर होटल मैनेजर और कर्मचारियों ने पुलिस को सूचना क्यों नहीं दी क्या इसमें होटल संचालक की मिली भगत थीं क्या होटल अपोलो के संचालक और होटल पर कोई कार्यवाही की जाएगी फ़िलहाल बहुत सारे सवालों के जवाब अभी मिलना बाकी हैं और उधर प्रशासन का दावा है कि आरोपी को शीघ्र ही गिरफ्तार कर कठोर कार्यवाही की जाएगी।

जिस नाम का कोई गांव नहीं उसकी बना दी खतौनी

» **बिल्हौर तहसील में फर्जी दस्तावेज तैयार करने वाला गिरोह सक्रिय**

» **एक झटके में ही खामी नजर में आ गई अधिकारियों के**

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। बिल्हौर तहसील में कागजों में हेराफेरी करके तमाम काम बनाने वालों का एक गिरोह सक्रिय है। इस गिरोह के सदस्य यह भी भूल जाते हैं कि जो फर्जी कागज वह तैयार करके कहीं पर प्रयोग कर रहे हैं उस नाम का कोई अस्तित्व है भी या नहीं। ऐसा ही एक मामला उत्तरीपूरा क्षेत्र का प्रकाश में आया है। जिसमें उत्तरीपूरा ग्रामसभा की फर्जी खतौनी तैयार करके तहसील के अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत की गई है। जिसे पहली नजर में ही पकड़ लिया गया। पूरा निवासी अजय और विजय पुत्रगण महावीर गुप्ता के नाम से प्रस्तुत की गई कंप्यूटराइज्ड खतौनी में उत्तरीपूरा ग्राम का उल्लेख किया गया है। जबकि सरकारी दस्तावेजों में उत्तरीपुरा नाम का

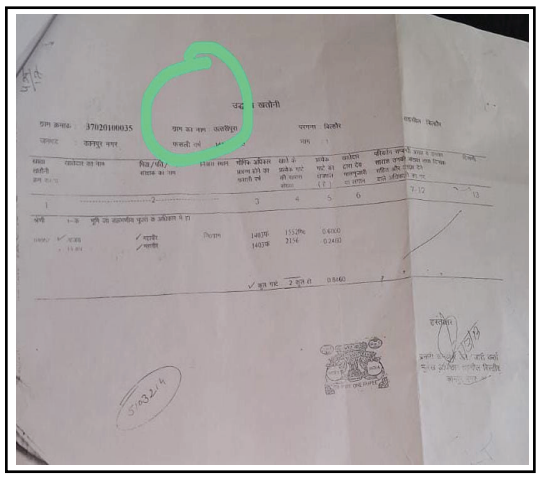

कोई ग्राम नहीं है। उत्तरी और पूरा दो अलग अलग ग्राम सभाएं हैं। पहली ही नजर में खतौनी की धोखाधड़ी अधिकारियों की पकड़ में आ गई। तहसील के एक अधिकारी ने बताया कि धोखाधड़ी करके कागज तैयार करने के कई मामले प्रकाश में आ चुके हैं। जांच कराई जा रही है। धोखाधड़ी के काम में लगे लोगों को कतई बख्शा नहीं जाएगा।

रिश्वत मांगने का आरोपी दरोगा जेल गया, निलंबन की हुई कार्रवाई

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। विवेचना के दौरान नाम हटाने के लिए 20 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़े गए दरोगा अभिनव चौधरी को कैंट पुलिस ने मंगलवार दोपहर जेल भेज दिया। एंटी करप्शन टीम ने सोमवार रात उसे गिरफ्तार किया था। वहीं, मंगलवार को डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने दरोगा को निलंबित कर दिया है। आरोपी के खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू हो गई है।बता दें, देवनगर निवासी होजरी कारोबारी त्रिपुरेश मिश्रा ने 4 जनवरी को फतेहपुर जिले के बिंदकी के डिघरुआ बाबूपुर निवासी प्रत्युष कुमार सहित चार लोगों के खिलाफ जालसाजी, रंगदारी मांगने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप लगाया था कि प्रत्युष ने त्रिपुरेश के बूढ़पुर मछरिया स्थित पैतृक मकान में कूट रचित दस्तावेजों की बदौलत कब्जा करने

का प्रयास किया। विवेचना के दौरान दरोगा अभिनव चौधरी ने आरोपियों से नाम हटाने के बदले 20 हजार रुपये की मांग की।

प्रत्युष ने एंटी करप्शन टीम से शिकायत की। टीम के कहने पर उसने दरोगा से संपर्क कर मिलने का स्थान तय किया। सोमवार रात अभिनव ने प्रत्युष को रुपये लेकर इलाके के श्रीराम चौक पर बुलाया। रिश्वत लेते ही एंटी करप्शन टीम ने आरोपी दरोगा को गिरफ्तार कर लिया।

बिल्हौर तहसील में डाक रिसीव कराना हो गया दूर की कौड़ी!

» अफसरों पर भारी पड़ रहे निरंकुश कर्मचारी

» योगी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति यहां पर है बेमायने

» कई कर्मचारी मनमाने ढंग से कर रहे हैं ड्यूटी

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर(कानपुर)। बिल्हौर तहसील में योगी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। कर्मचारी पूरी तरह निरंकुश हो गए हैं और अधिकारी खुद को असहाय पा रहे हैं। यदि आप तहसील में कोई पत्र हाथोंहाथ रिसीव कराना चाहते हैं तो यह दूर की कौड़ी है। हाथोंहाथ आपकी डाक को रिसीव नहीं किया जाएगा और आपको पोस्ट ऑफिस से पोस्ट करने की सलाह दे दी जाएगी। यदि आप पोस्ट ऑफिस की मदद लेंगे तो कर्मचारी डाक लेने से इनकार करके आपकी डाक वापस लौटा देंगे और आप अपनी डाक पर कार्रवाई का इंतजार करके बेफिक्र होकर घर बैठ जाएंगे। और बिल्हौर तहसील में तैनात कर्मचारी डाक रिसीव करने से मना कर देंगे। और आपका पत्र इस पटल से उस पटल तक घूमता हुआ लेने से इनकार की टिप्पणी के साथ या तो आपके घर वापस पहुंच जाएगा या फिर पोस्ट ऑफिस में धूल खाता रहेगा। एक ताजा प्रकरण है। जिसमें करीब आधा दर्जन डाक वापस लौटा दी गई। मजे की बात यह है कि कर्मचारियों ने लिफाफा खोलने से पहले ही इस बात की स्कैनिंग कर ली कि इनमें सूचना का अधिकार के तहत जानकारी चाही गई है और और जानकारी देने के लिए कोई तैयार नहीं है। इसलिए बेहतर हो कि पत्र ही ना रिसीव किया जाए क्योंकि पत्र रिसीव करते ही जवाब देही तय हो जाएगी।

तहसील के इसी कार्यालय में बैठते हैं प्रदीप निगम बाबू

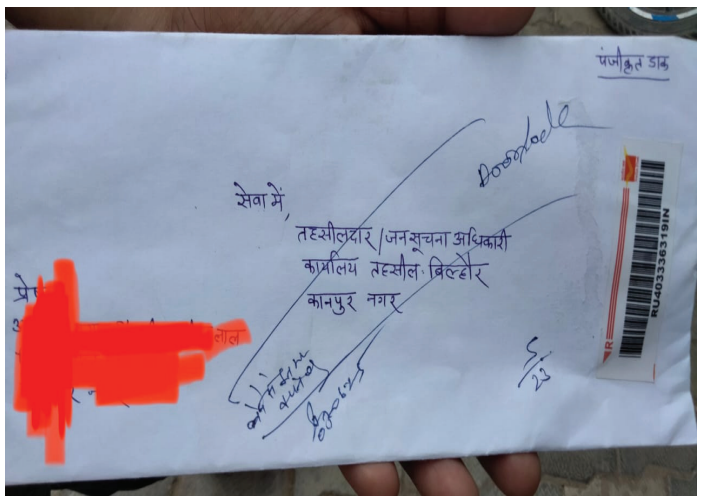

30 मई को बुक की गई यह रजिस्टर्ड डाक 12 दिन में भी नहीं तय कर सकी 300 मीटर का सफर

12 दिनों में 300 मीटर का सफर तय कर पाई रजिस्टर्ड डॉक

बिल्हौर। त्रिवेणी गंज निवासी ए कुमार ने बताया कि वह 28 मई को सूचना का अधिकार कानून के तहत एक प्रार्थना पत्र रिसीव कराने के लिए कार्यालय गए। कार्यालय में पटल की जिम्मेदारी संभालने वाले निगम बाबू ने दूसरे पटल पर भेज दिया।

वहां से वापस प्रदीप निगम बाबू के पास लौटा दिया गया। जब वह दोबारा वहां पर पहुंचे तो निगम बाबू ने डाक रिसीव करने की बजाय रजिस्टर्ड डॉक से भेजने की सलाह दे दी। उन्होंने 30 मई को बिल्हौर पोस्ट ऑफिस से रजिस्ट्री की। और बेफिक्र होकर घर बैठ गए। 10 जून को जब वह अपने पत्र पर कार्रवाई जाने के लिए तहसील पहुंचे तो वहां पर पत्र रिसीव न होने की बात कही गई। जिस पर उन्हें यकीन नहीं हुआ।

इसके बाद वह पोस्ट ऑफिस गए और अपने पत्र की पड़ताल की। डाक की जिम्मेदारी संभालने वाले पोस्टमैन ने बताया कि हम तीन बार डाक लेकर गए लेकिन किसी ने रिसीव नहीं किया। जिस पर मजबूरन उसे वापस भेजने के लिए रख लिया। पीड़ित ने वह रजिस्टर्ड डाक 12 दिनों बाद खुद रिसीव की। इसके बाद उसे लेकर तहसील आया तो तहसीलकर्मियों ने वहीं पुराना राग अलापना शुरू किया। लेकिन जब तेवर थोड़े सख्त किए तो बात बन गई। और पत्र रिसीव होने के बाद उस पर कार्रवाई भी आगे बढ़ गई। ऐसी स्थिति में एक पत्र को मात्र 300 मीटर की दूरी तय करने में 12 दिन का समय लग गया।

छपरा एक्सप्रेस के भरोसे चल रहे कुछ तहसील कर्मचारी

बिल्हौर। तहसील कर्मचारी ने कहा कि जिस कर्मचारी की जिम्मेदारी जन सूचना पटल की है। वह जब मन आता है आते हैं और जब मन आता है चले जाते हैं। अधिकारी भी उनसे कुछ भी कहने से कतराते हैं। एक व्यक्ति के पास कई जिम्मेदारियां हैं। जिसके कारण हम डॉक रिसीव नहीं करते हैं। संबंधित कर्मचारी को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। कर्मचारियों ने बताया कि कई लोग छपरा एक्सप्रेस से आते हैं। जिसके कारण वे 11 बजे के बाद पहुंच पाते हैं। गैर हाजिर रहने वाले कई कर्मी तो अगले दिन अपने हस्ताक्षर करते हैं। और उन्हें कोई मना नहीं कर पाता। ऐसे में उनके काम करने के तरीके का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है।

छोटे छोटे मामले थाने चौकी स्तर पर ही निपटाएं:एसीपी अमरनाथ यादव

» एसीपी बिल्हौर ने पूरा चौकी इंचार्ज को दी सख्त हिदायत

» बोले चौकी में आने वाले पीड़ितों की समस्या का तुरंत करें समाधान

» सिपाही और दारोगा अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का करें निर्वहन

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। एसीपी बिल्हौर अमरनाथ यादव ने कहा कि छोटे-छोटे मसले थाने चौकी स्तर पर ही निपट लिए जाएं। अनावश्यक रूप से पीड़ितों को एसीपी ऑफिस के चक्कर लगाने के लिए मजबूर न किया जाए। वह मंगलवार को एसीपी ऑफिस में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कई छोटे-छोटे मामले जिन्हें थाने चौकी स्तर पर ही निपटाया जा सकता है लेकिन वहां पर तैनात बीट के सिपाही और दारोगा अपनी जिम्मेदारियों का निर्वाह नहीं करते हैं। जिससे

पीड़ितों को अनावश्यक रूप से परेशान होना पड़ता है। और शासन - प्रशासन की कार्य प्रणाली पर भी प्रश्नचिन्ह लगता है। उन्होंने कहा कि हम शासन की मंशा के अनुरूप बेहतर पुलिसिंग के लिए तैनात हैं और हम अपने पास आने वाले किसी भी पीड़ित को पूरी तरह न्याय दिलाने का प्रयास करते हैं। उन्होंने कहा कि गांव में जमीन- जायदाद के छोटे-छोटे मसले होते हैं। जिन्हें थोड़ी सी सूझबूझ से हल कराया जा सकता है। लेकिन हम या हमारे अधीनस्थ कर्मचारी इन कामों को करने में पर्याप्त रुचि नहीं लेते हैं जिससे छोटी-छोटी घटनाएं बड़ा रूप धारण कर लेती हैं और इसके बाद हम लोगों को ही अनावश्यक रूप से परेशान होना पड़ता है। उन्होंने कहा कि अब तक इस तरह के कई मामले हो चुके हैं। जिनमें छोटी-छोटी घटनाएं ही बड़ी बनीं है। उन्होंने ऊधो निवादा के एक मामले में पूरा चौकी इंचार्ज को फोन मिलवाकर सख्त दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चौकी में अपने-अपने सिपाही दरोगाओं को हिदायत दे दें कि छोटे-छोटे मामले वहीं पर निपटा लें। जब अपने स्तर से आप ऐसे मामले न निपटा पाए हैं। तब हमें उसके कारण सहित अवगत कराएं। और बताएं कि यह प्रकरण हमारे बस का नहीं है। निश्चित करें कि छोटे-छोटे मामलों में पीड़ित को चौकी पर ही न्याय मिल जाए।

खरीफ सीजन से पहले खेतों में बिखरी वैज्ञानिक जागरूकता की रोशनी

» झींझक के 9 ग्रामों में चला विकसित कृषि संकल्प अभियान

» वैज्ञानिकों और अधिकारियों ने दिया तकनीकी मार्गदर्शन, बीमा से लेकर बीज तक दी जानकारी

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। झींझक विकासखंड के 9 ग्रामों जूरिया, पिपरी पतरहार, मलिकपुर अकौनियां, सिंहपुर, भटसरा, लालपुर, अमौली ठाकुरान, छतरसा और डालचंद में विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत वैज्ञानिकों की 3 टीमों द्वारा प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए गए।

इन टीमों में कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर और भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर के विशेषज्ञों डॉ. खलील खान, डॉ. योगेश तिवारी, डॉ. राजेश राय, डॉ. वैभव कुमार, डॉ. हेमंत कुमार सहित कई वैज्ञानिक शामिल थे।

उन्होंने धान, ज्वार, बाजरा, तिल, मूंग और उर्द जैसी

खरीफ फसलों की वैज्ञानिक खेती के तरीके समझाए और किसानों के सवालों का समाधान भी किया।

योजनाएं, सब्सिडी और बीमा सरकारी मदद की पूरी जानकारी भी दी गई

उप कृषि निदेशक राम बचन राम ने किसानों को बीज, कृषि यंत्र, सोलर पंप और जिप्सम आदि पर मिलने वाली सरकारी सब्सिडी की जानकारी दी। साथ ही सहायक

विकास अधिकारी (कृषि) झींझक द्वारा यह भी बताया गया कि राजकीय कृषि बीज भंडार पर उपलब्ध बीजों पर किस प्रकार की छूट मिल रही है। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना पर एचडीएफसी ईगो जनरल इंश्योरेंस कंपनी के प्रतिनिधियों ने किसानों को अपने फसलों का बीमा कराने की आवश्यकता और प्रक्रिया की जानकारी भी दी। इस गोष्ठी में किसानों की उपस्थिति और उत्साह उल्लेखनीय रहा।

बच्ची को दरिंदगी का शिकार बनाने वाला आरोपी गिरफ्तार

खिरियनपुरवा मोड़ से दबोचा गया, पोक्सो एक्ट के तहत होगी पेशी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। महिला अपराधों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कानपुर देहात पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है।

थाना मूसानगर क्षेत्र में नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म करने वाले आरोपी सौरभ संखवार को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर खिरियनपुरवा मोड़ के पास से गिरफ्तार कर लिया।

पीड़ित परिवार द्वारा थाने में शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर आरोपी को पकड़ लिया।

आरोपी के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

इस कार्यवाही में मूसानगर के प्रभारी निरीक्षक शिवनारायन सिंह, उपनिरीक्षक श्रीराम पटेल और सिपाही सत्यवीर सिंह शामिल रहे।

पुलिस अधीक्षक अरविन्द मिश्र ने इस त्वरित कार्रवाई के लिए टीम की सराहना की और बताया कि महिला सुरक्षा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

घर में अकेली किशोरी से दुष्कर्म, आरोपी युवक फरार

थाने में मुकदमा दर्ज, पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो,

कानपुर देहात। मूसानगर थाना क्षेत्र के एक गांव में मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। खेतों में काम कर रहे माता-पिता की गैरमौजूदगी में घर में अकेली किशोरी के साथ गांव के ही एक युवक ने दुष्कर्म किया और मौके से फरार हो गया।

घटना की जानकारी मिलने पर परिजन पीड़िता को लेकर तत्काल थाना पहुंचे और आरोपी के खिलाफ तहरीर दी। पीड़िता के पिता द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, आरोपी ने सुनियोजित ढंग से वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और भारतीय दंड संहिता व

पॉक्सो अधिनियम की धाराओं के तहत कार्रवाई शुरू कर दी गई है।थाना प्रभारी शिव नारायण सिंह ने बताया कि मामला गंभीर है। पीड़िता का चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। उन्होंने कहा कि किसी भी सूरत में आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा।पुलिस की प्राथमिकता आरोपी की जल्द गिरफ्तारी और पीड़िता को न्याय दिलाने की है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

पार्क से लौट रही बच्चियों को पिकअप ने रौंदा, एक की मौत, दो घायल

स्वराज इंडिया संवाददाता

टिकैतनगर बाराबंकी । कस्बे के मोहल्ला सरावगी की तीन बच्चियां टहलने के लिए निकली थीं। भगत सिंह पार्क से लौटते समय दरियाबाद मार्ग पर पीछे से आ रही तेज रफ्तार डीजे साउंड लदी पिकअप ने उन्हें कुचल दिया। हादसे में आठ वर्षीय पलक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी दो सहेलियां रानी और शिवांशी घायल हो गईं।

घटना कोतवाली के सामने हुई, जिसके बाद पुलिस ने तत्काल घायल बच्चियों को अस्पताल पहुंचाया।

प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को घर भेज दिया गया, जबकि पलक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। दुर्घटना के बाद भाग रहे वाहन को पुलिस ने करीब 12 किलोमीटर पीछा कर बदोसराय क्षेत्र से पकड़ लिया, लेकिन चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने वाहन मालिक को हिरासत में लिया है और फरार चालक की तलाश जारी है।

बिजली संकट से जूझ रहे बाराबंकी के कई इलाके

नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि ने उठाए सवाल, विद्युत उपखंड अधिकारी से मांगा जवाब?

बताया कि नगर पंचायत ज़ैदपुर के कई वार्डों में बिजली की सुविधा न होने से न केवल दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है, बल्कि बच्चों की पढ़ाई और स्थानीय व्यवसाय भी ठप हो रहे हैं।

स्वराज इंडिया संवाददाता

जैदपुर बाराबंकी। ज़ैदपुर नगर पंचायत में बिजली की बदहाल स्थिति को लेकर स्थानीय लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि दाऊद अलीम ने ज़ैदपुर पावर हॉउस पहुंचकर विद्युत उपखंड अधिकारी से इस गंभीर समस्या पर जवाब तलब किया। उन्होंने क्षेत्र में वर्षों से बिजली कनेक्शन न मिलने और भीषण गर्मी में लोगों की परेशानियों को लेकर कड़े सवाल उठाए।दाऊद अलीम ने कहा कि ज़ैदपुर के कई इलाकों में आजादी के बाद से अब तक बिजली कनेक्शन उपलब्ध नहीं हो सका है। लोग इस तपती गर्मी में बिना बिजली के कैसे रह रहे हैं? आखिर इसके लिए जिम्मेदार कौन है? उन्होंने विद्युत उपखंड अधिकारी से पूछा। उन्होंने यह भी स्थानीय निवासियों का कहना है कि बिजली की कमी के कारण उन्हें रात में अंधेरे में रहना पड़ता है, और गर्मी ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं, इस समय जहां तापमान 40 से 42 डिग्री हो रहा है और बिना एसी, कूलर, और पंखे, के लोगों का रहना मुश्किल हो रहा है, वहीं बिना बिजली कैसे रहते होंगे लोग इस की कल्पना से भी डर लगता है। दाऊद अलीम ने विद्युत विभाग से तत्काल कार्रवाई की मांग की और चेतावनी दी कि यदि जल्द ही समस्या का समाधान नहीं हुआ तो जनता के साथ मिलकर आंदोलन किया जाएगा।

विद्युत उपखंड अधिकारी ने इस मामले पर तुरंत कार्रवाई का आश्वासन दिया है, लेकिन अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। इस मुद्दे ने स्थानीय प्रशासन और बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। जनता अब इस उम्मीद में है कि उनकी मांगों पर जल्द ध्यान दिया जाएगा और ज़ैदपुर को बिजली की सुविधा से वंचित नहीं रहना पड़ेगा।

राजकीय इंटर कालेज में समर कैंप का आयोजन

स्वराज इंडिया संवाददाता

निंदूरा (बाराबंकी)। राजकीय इंटर कॉलेज निंदूरा में बीते 21 मई से 10 जून तक आयोजित समर कैंप का मंगलवार को विद्यार्थियों और अभिभावकों के फीडबैक के साथ ही समापन हो गया। अंतिम दिवस विद्यार्थियों ने योगासन से दिन की शुरुआत की गई,इसके उपरांत विद्यार्थियों मोहिनी,छाया, निराले सिंह,शिवानी ने समर कैंप पर अपने अपने विचार रखे। विद्यार्थियों ने कहा कि हमने समर कैंप में खेल खेल में बहुत कुछ सीखा और हम चाहते है कि अगली बार जून में गर्मी की छुट्टी न होकर समर कैंप ही हो। प्रधानाचार्य से उपस्थित सैकड़ों बच्चों ने कहा कि अगले सत्र में समर कैंप 10 जून से बढ़ाकर गर्मी की छुट्टी न करते हुए पूरे जून हो। अभिभावकों ने भी समर कैंप पर अपने अपने विचार रखे। प्रधानाचार्य भानु प्रताप सिंह ने कहा कि समर कैंप मतलब समग्र विकास है। जिसमें आपका सर्वांगीण विकास होता है। इस समर कैंप में संस्था की ओर से जो भी संभव था वह किया गया। अब आप सभी को ध्यान देना है कि समर कैंप में जो भी यहां सीखा उसका प्रतिदिन घर में अभ्यास करना है क्योंकि अभ्यास के बिना सब व्यर्थ है,चाहे जितनी व्यस्तता हो लेकिन कुछ समय निकाल कर योग जरूर करे। इस मौके पर प्रवक्ता कुमार नंदन प्रधान, नीलेश कुमार सिंह,सहायक अध्यापक महेंद्र कुमार,नीरज कुमार,नीरज यादव,अंकित वर्मा,कंप्यूटर सहायक शनि कुमार उपस्थित रहे।

भाजपा नेता ने बैठक में तानी रिवाल्वर, थप्पड़ मारा!

आरोपी नेता के खिलाफ मुकदमा दर्ज

राम की नगरी अयोध्या के मया बाजार में भाजपा की बैठक के दौरान खुलेआम सत्ता के नशे में चूर नेता ने रिवाल्वर लहराई, वरिष्ठ कार्यकर्ता को जड़ दिया थप्पड़। अनुशासन की दुहाई देने वाली पार्टी में सरेआम अनुशासन तार-तार।

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या। भारतीय जनता पार्टी जहां 'सुशासन' और 'संस्कृति' की दुहाई देती है, वहीं अयोध्या के मया बाजार में पार्टी की एक बैठक ने इन दावों को आइना दिखा दिया। मंडल अध्यक्ष की बैठक में पहुंचने की गुस्ताखी चंद्रभूषण पांडेय को इतनी भारी पड़ी कि पूर्व मंडल अध्यक्ष अमर बहादुर सिंह उर्फ गुड्डू ने न सिर्फ थप्पड़ मारा, बल्कि लाइसेंसी रिवाल्वर निकाल कर धमकाया भी!

पीड़ित चंद्र भूषण पांडेय

आरोपी भाजपा नेता अमर बहादुर सिंह

घटना सोमवार की है, जब राम-जानकी मंदिर परिसर में भाजपा कार्यकर्ताओं की मंडल स्तरीय बैठक चल रही थी। जैसे ही चंद्रभूषण पांडेय वहां पहुंचे, गुड्डू ने उन्हें देख गालियां बकनी शुरू कर दी और फिर थप्पड़ मारते हुए बाहर तक दौड़ाया। राहगीरों और स्थानीय दुकानदारों ने बताया कि अमर बहादुर सिंह ने खुलेआम अपनी रिवाल्वर लहराकर जान से मारने की धमकी दी।

पार्टी में भूचाल पर पुलिस मौन

घटना की जानकारी भाजपा जिला अध्यक्ष तक भी पहुंची है, लेकिन अब तक आरोपी नेता के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। चंद्रभूषण पांडेय ने पुलिस को लिखित तहरीर दी काफी दबाव के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

थानाध्यक्ष राजेश सिंह के अनुसार, मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। सवाल ये है कि जांच पहले होगी या किसी की जान जाएगी?

भाजपाई बोले यह पार्टी में दबंगों का दबदबा!

इस घटना से पार्टी कार्यकर्ताओं में जबरदस्त आक्रोश है। नाम न छापने की शर्त पर एक स्थानीय नेता ने कहा, गुंडई करने वाले नेताओं को संरक्षण मिल रहा है। जो वफादार और सीनियर कार्यकर्ता हैं, वो या तो पीटे जा रहे हैं या किनारे किए जा रहे हैं।

राजनीति या रंगबाज़ी?

मया बाजार की यह घटना एक बार फिर यह सोचने को मजबूर कर रही है कि क्या सत्ता के गलियारे अब गुंडागर्दी के अड्डे बनते जा रहे हैं? क्या पार्टी का अनुशासन सिर्फ पोस्टर-बैनर में छपा एक 'स्लोगन' बनकर रह गया है?

जिला बीजेपी अध्यक्ष संजीव सिंह ने कहा कि यह घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। आरोपी पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी

थप्पड़, रिवाल्वर और भगदड़

राम-जानकी मंदिर परिसर में बैठक के बीच हंगामा
दर्जनों कार्यकर्ता मौके से भागे
आम जनता में दहशत

चंद्रभूषण पांडेय कौन?

भाजपा के पुराने और सम्मानित कार्यकर्ता
दर्जनों चुनावी अभियानों में भूमिका
पार्टी के अंदर 'संघ वाले' खेमे के करीबी

भाजपा के अंदर की यह भीतरघात की गोली सिर्फ एक थप्पड़ की घटना नहीं है, ये उस बिगड़ते सिस्टम की तस्वीर है जहां संवाद की जगह धमकी और संगठन की जगह शक्ति प्रदर्शन ने ले ली है। राम की नगरी अयोध्या में जब भगवा पर साया पड़ जाए, तो सवाल सिर्फ विरोधियों से नहीं, अपनों से भी पूछना पड़ेगा – ये क्या हो रहा है?

(सड़क से कानून तक)

डरिए मत, जानिए अपने अधिकार: ट्रैफिक पुलिस भी नहीं कर सकती मनमानी!

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या। कई बार सड़क पर चलते हुए अचानक किसी ट्रैफिक कांस्टेबल की सीटी और हाथ का इशारा जैसे ही होता है, हम घबरा जाते हैं। सीट बेल्ट नहीं, हेलमेट नहीं, लाइट बंद–छोटी-छोटी गलतियों पर लगता है जैसे कोई बड़ा अपराध हो गया। लेकिन क्या आपको पता है कि हर वर्दीधारी ट्रैफिक पुलिसकर्मी को चालान काटने या आपकी गाड़ी की चाबी निकालने का अधिकार नहीं होता?

जी हाँ! इंडियन मोटर व्हीकल एक्ट 1932 के मुताबिक, सिर्फ एएसआई, एसआई या इंस्पेक्टर रैंक के अधिकारी ही स्पॉट फाइन कर सकते हैं। ट्रैफिक कॉन्स्टेबल की भूमिका केवल सहयोगी की होती है—ना वे आपकी गाड़ी की चाबी निकाल सकते हैं, ना टायर की हवा, और ना ही बदसलूकी का अधिकार उन्हें है।

याद रखिए ये महत्वपूर्ण बातें...

कोई ट्रैफिक कॉन्स्टेबल आपकी गाड़ी से चाबी नहीं निकाल सकता।

चालान 100 रुपये से ज्यादा सिर्फ वरिष्ठ अधिकारी काट सकते हैं।

पुलिसकर्मी बदसलूकी करे तो वीडियो बनाइए, और शिकायत दर्ज कराइए।गाड़ी के रजिस्ट्रेशन और इंश्योरेंस की फोटोकॉपी पर्याप्त है। मौके पर पैसे न हों तो कोर्ट चालान से बाद में भी जुर्माना भर सकते हैं।

यह जानना जरूरी क्यों है?

क्योंकि ड्राइविंग कोई अपराध नहीं, लेकिन अनभिज्ञता जरूर है।

क्योंकि कानून का डर जरूरी है, लेकिन कानून को जानना उससे भी ज्यादा जरूरी। क्योंकि हर बार गाड़ी रोकने वाला वर्दीधारी जज नहीं, बस एक कर्मचारी है, जिसे भी नियमों की सीमा में काम करना होता है। फ्तो अगली बार ट्रैफिक पुलिस रोके, तो घबराइए मतज अधिकारों की बेल्ट बांधिए और हेलमेट बनाइए अपनी जानकारी को!

जब रुकवाए कोई वर्दीधारी...तो पूछिए ये बातें

–क्या उनके पास चालान बुक या ई–चालान मशीन है?
–क्या वे यूनिफॉर्म में हैं, और उस पर बकल नंबर व नाम साफ दिख रहा है?
–क्या उनकी रैंक एएसआई या उससे ऊपर है?
अगर इनमें से कोई भी जवाब नहीं है, तो आपको डरने की जरूरत नहीं, बल्कि बोलने की जरूरत है—अपने अधिकारों की भाषा में।

मोदी सरकार के 11 साल की उपलब्धियां और चुनौतियां

» भारत की अर्थव्यवस्था ने उल्लेखनीय प्रगति की है

» उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में भारत जर्मनी को भी पीछे छोड़कर तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा

संजय सक्सेना, स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की सरकार ने 11 वर्ष पूरे कर लिए हैं। यह समयावधि न केवल राजनीतिक रूप से बल्कि आर्थिक, सामाजिक और आधारभूत ढांचे के दृष्टिकोण से भी बेहद अहम रही है। सवाल यही है कि इन 11 वर्षों में देश ने क्या खोया, क्या पाया? सबसे पहले आर्थिक विकास की बात करें तो भारत की अर्थव्यवस्था ने उल्लेखनीय प्रगति की है। आज भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 4.2 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को छू चुका है, जो देश को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर करता है। उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में भारत जर्मनी को भी पीछे छोड़कर तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। 2014 से औसत वार्षिक वृद्धि दर 6.4 प्रतिशत रही है, जो हालिया तिमाही में 7.4 प्रतिशत तक पहुँच चुकी है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती और निरंतरता को दर्शाता है।मुद्रास्फीति पर नियंत्रण भी उल्लेखनीय रहा है। जहां 2013-14 में यह 9.4 प्रतिशत के स्तर पर थी, वहीं अब घटकर 4.6 प्रतिशत हो गई है। इससे आम नागरिकों और व्यापारियों को स्थिरता मिली है और भविष्य की योजना बनाना सरल हुआ है।

बुनियादी ढांचे के विकास की दिशा में भी काफी काम हुआ है। राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई 2014 में जहां 91,287 किलोमीटर थी, वहीं अब यह 1,46,204 किलोमीटर हो गई है। निर्माण की गति भी तीन गुना से ज्यादा बढ़ गई है कृ 12 किलोमीटर प्रतिदिन से बढ़कर 34 किलोमीटर प्रतिदिन तक पहुंच गई है। चार लाख किलोमीटर से अधिक ग्रामीण सड़कों के निर्माण के जरिए 99 प्रतिशत ग्रामीण भारत को राष्ट्रीय सड़क नेटवर्क से जोड़ा गया है, जिससे गांवों में आर्थिक गतिविधियों को बल मिला है।रेलवे सेक्टर में भी परिवर्तन देखने को मिला है। पिछले दशक में 25,871 किलोमीटर नई पटरियाँ बिछाई गईं, जो इससे पूर्व के दशक की तुलना में लगभग दोगुनी हैं। भारत अब लोकोमोटिव निर्माण में अग्रणी बन चुका है, और 2024-25 में 1,681 इंजन निर्माण की योजना है। यह संख्या अमेरिका, जापान और यूरोप के कुल उत्पादन से अधिक है। रेलवे अब प्रतिदिन 30 मिलियन से ज्यादा यात्रियों को सेवा दे रहा है और सालाना 1,617 मिलियन टन माल ढुलाई कर रहा है, जिससे भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मालवहन रेलवे नेटवर्क बन गया है।

पूर्वोत्तर राज्यों को रेलवे नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में भी अहम प्रगति हुई है, जिससे क्षेत्रीय एकीकरण को बल मिला है। माल-ढुलाई के लिए समर्पित डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर की स्थापना से माल यातायात तेज हुआ है और यात्री ट्रेनों की भीड़ में भी कमी आने लगी है।हवाई यातायात में भी पिछले 11 वर्षों में बड़ा बदलाव आया है। 2014 में देश में केवल 74 परिचालन हवाई अड्डे थे, जो अब बढ़कर 160 हो चुके हैं। 'उड़ान' योजना के तहत छोटे और दूरदराज शहरों को हवाई नक्शे पर लाया गया है। सरकार का लक्ष्य 2047 तक 300 हवाई अड्डों का नेटवर्क तैयार करना है, जिससे कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स को गति मिलेगी।

शहरी क्षेत्रों में 'स्मार्ट सिटी मिशन' के तहत 8,000 से ज्यादा परियोजनाओं पर काम हो रहा है, जिसमें 1.64 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश हुआ है।

शहरी परिवहन में दिल्ली मेट्रो की भूमिका उल्लेखनीय रही है, जिसका विस्तार अब 15 शहरों तक हो चुका है। इससे सार्वजनिक परिवहन की गुणवत्ता और पहुंच दोनों में सुधार हुआ है। ऊर्जा क्षेत्र में भी भारत ने लंबी छलांग लगाई है। 2014 में भारत की सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता केवल 2.82 गीगावाट थी, जो अब बढ़कर 105.65 गीगावाट हो गई है। कुल स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन 228.28 गीगावाट तक पहुंच चुका है, जिससे भारत सौर ऊर्जा में तीसरा और पवन ऊर्जा में चौथा सबसे बड़ा उत्पादक बन गया है।

डिजिटल क्रांति भी मोदी सरकार की बड़ी पहल

डिजिटल क्रांति भी मोदी सरकार की बड़ी उपलब्धियों में शामिल है। आधार और यूपीआई जैसे प्लेटफॉर्म्स की मदद से देश में डिजिटल लेन-देन और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिला है। इस डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (DPI) ने न केवल प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (DPI) को सुचारू किया, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग पहुंच भी सुनिश्चित की। विश्व बैंक के अनुसार, जो काम कई देशों को दशकों में नहीं कर पाते, भारत ने छह वर्षों में कर दिखाया। आज भारत का DPI मॉडल 12 से अधिक देशों द्वारा अपनाया जा चुका है।गरीबी उन्मूलन के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2013-14 में जहां गरीबी दर 29.17 प्रतिशत थी, वह 2022-23 में घटकर 11.28 प्रतिशत रह गई है। इस अवधि में 17.1 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठे हैं, जिससे सामाजिक विकास को भी गति मिली है।

एडीजी जोन लखनऊ एसपी शिरडकर को मिला प्रमोशन

» पुलिस महानिदेशक बने, राज्यपाल ने दी मंजूरी

» 22 पीपीएस अफसर जल्द आईपीएस काडर में होंगे प्रोन्नत

स्वराज इँडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। आईपीएस अधिकारी एसबी शिरडकर को पुलिस महानिदेशक के पद पर पदोन्नत किया गया है। राज्यपाल ने इसकी मंजूरी दे दी है।आईपीएस एडीजी जोन लखनऊ एसबी शिरडकर को पदोन्नत कर पुलिस महानिदेशक (डीजी) बनाया गया है। वह 1993 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं।

उत्तर प्रदेश पुलिस के 22 पीपीएस अधिकारी जल्द आईपीएस काडर में प्रोन्नत हो जाएंगे। गृह विभाग ने इसका प्रस्ताव तैयार करके संघ लोक सेवा आयोग भेज दिया है।

इसका परीक्षण करने के बाद आयोग द्वारा विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें पदोन्नति के लिए उपयुक्त पाए गए अधिकारियों के प्रस्ताव को हरी झंडी दी जाएगी।सूत्रों के मुताबिक आयोग को भेजे गए प्रस्ताव में 1996, 1997 और 1998 बैच के अधिकारियों के नाम शामिल हैं, जिनकी सेवानिवृत्ति में अभी चार वर्ष से अधिक का समय बचा हुआ है।

वहीं जिन अधिकारियों के खिलाफ जांचें लंबित हैं, उनका लिफाफा बंद रखा जाएगा।ये पदोन्नति वर्ष 2024 में उत्पन्न आईपीएस अफसरों की रिक्तियों के सापेक्ष की जानी हैं। बता दें कि बीते वर्ष 24 पीपीएस अफसरों को आईपीएस कैडर में प्रोन्नत करने का प्रस्ताव भेजा गया था, जिसमें से 22 अफसरों को पदोन्नति प्रदान की गई थी।

एकपक्षीय कार्रवाई का लगाया आरोप

वायरल वीडियो मामले में भाजपा जिलाध्यक्ष पार्टी से निष्कासित

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

गोंडा। भाजपा के गोंडा जिला अध्यक्ष अमर किशोर कश्यप को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। पार्टी कार्यालय में एक महिला के साथ आपत्तिजनक वीडियो वायरल होने के मामले में उन पर कार्रवाई हुई है।

वायरल वीडियो मामले में बुधवार को भारतीय जनता पार्टी के प्रांतीय नेतृत्व ने बड़ी कार्रवाई की है। गोंडा के जिलाध्यक्ष अमर किशोर कश्यप को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। 25 मई को सोशल मीडिया पर भाजपा कार्यालय का एक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें वह एक महिला कार्यकर्ता के साथ नजर आए थे।वहीं, कार्रवाई के बाद निष्कासित किए गए भाजपा जिलाध्यक्ष अमर किशोर कश्यप खुद कैमरे के सामने आए। कहा कि हमने पहले ही कहा था कि पार्टी का जो भी निर्णय होगा वह हमें मान्य होगा। पार्टी ने एकपक्षीय कार्रवाई की है। पार्टी को इसकी जांच करानी चाहिए। फुटेज जारी करने वालों पर कार्रवाई करना चाहिए। उन्होंने कुछ नेताओं का नाम लेते हुए सीसीटीवी फुटेज वायरल करने का आरोप लगाते हुए इन लोगों को भी निष्कासित करने की मांग की है।

यह वीडियो 12 अप्रैल की रात का था। भाजपा जिलाध्यक्ष अमर किशोर कश्यप ने सामने आकर कहा था कि वायरल वीडियो उनका है। वह पार्टी की एक महिला कार्यकर्ता को चक्कर आने पर सहारा दे रहे थे। महिला ने भी खुलकर बात कही थी। उसने जिलाध्यक्ष को भाई बताते हुए गलत तरीके से वीडियो वायरल की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ टिप्पणियों पर मस्क ने जताया अफसोस

ढीले पड़े मस्क के तेवर, लोगों ने कहा- हो गया 'सीजफायर'

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लेकर हाल में दिए गए अपने बयानों पर टेस्ला के सीईओ और अरबपति एलन मस्क ने खेद जताया है। मस्क ने यह जानकारी अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट के जरिए दीं। मस्क और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हाल के दिनों में रिश्ते काफी अच्छे नहीं थे। दोनों एक दूसरे के खिलाफ जमकर बयानबाजी कर रहे थे। आखिरकार, मस्क ने अपनी गलती पर खेद जता दिया। मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉमज़ एक्स पोस्ट में लिखा, मुझे पिछले सप्ताह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बारे में अपनी कुछ पोस्ट पर पछतावा है। जो कुछ हुआ वह बहुत ज्यादा हो गया था।

दरअसल, मस्क और ट्रंप के बीच विवाद तब बढ़ गया था जब मस्क ने डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) चीफ पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद मस्क ने ट्रंप के खर्च और टैक्स कटौती वाले विधेयक की कड़ी आलोचना की थी। इतना ही नहीं, मस्क ने एक्स पर ट्रंप के इंपीचमेंट (महाभियोग) के समर्थन में पोस्ट किया था, हालांकि उसे बाद में डिलीट कर दिया। बात इतनी बढ़ी कि मस्क ने ट्रंप के जेफरी एपस्टीन से पुराने संबंधों का भी जिक्र किया, जिसे ट्रंप ने पुराना और झूठा मुद्दा बताया। बाद में इस पोस्ट को भी डिलीट कर दिया गया। तल्खी इस कदर बढ़ गई थी कि मस्क ने ये तक कह दिया था कि- मेरे बिना, ट्रंप चुनाव हार जाते।

मस्क के बयानों पर राष्ट्रपति ट्रंप ने तीखी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने मस्क की कंपनियों को दी गई सब्सिडी और सरकारी अनुबंधों को रद्द करने की धमकी दे डाली थी। ट्रंप ने कहा था कि मस्क और मेरे बीच बहुत अच्छे संबंध थे। मुझे नहीं पता कि आगे भी हमारे संबंध अच्छे रहेंगे या नहीं। मैं एलन मस्क से बहुत निराश हूं। मैंने एलन की बहुत मदद की है।

बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप से माफी मांगने से पहले सात जून को मस्क ने संकेत दिया था कि वह एक नई राजनीतिक पार्टी बना सकते हैं। जिसका नाम 'द अमेरिका पार्टी' हो सकता है। मस्क राष्ट्रपति ट्रंप की कैबिनेट बैठकों में शामिल हो चुके हैं और राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में भी मौजूद थे। उन्हें सरकारी दक्षता विभाग विभाग का प्रमुख भी नियुक्त किया गया था और और उन्होंने ट्रंप के लिए सक्रिय रूप से प्रचार भी किया था।

डोनाल्ड ट्रंप और मस्क की दूर खत्म हो रही?

अमेरिकी राजनीति और टेक्नोलॉजी की दुनिया में अक्सर हलचल मचाने वाले दो बड़े नाम डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क पिछले कुछ समय से आपसी टकराव के कारण सुर्खियों में थे, लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि दोनों के बीच की दूरियां धीरे-धीरे खत्म हो रही हैं। एलन मस्क ने खुद पहल करते हुए अपने पुराने बयानों पर पछतावा जताया है। मस्क के इस बयान को ट्रंप के साथ सुलह की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।एलन मस्क और डोनाल्ड ट्रंप कभी अच्छे दोस्त माने जाते थे, लेकिन बीते दिनों उनके रिश्तों में दरार तब आ गई जब मस्क ने सार्वजनिक रूप से ट्रंप के समर्थन में लाए गए एक महत्वपूर्ण बिल का विरोध कर दिया था। इसके बाद दोनों ने एक-दूसरे के खिलाफ तीखे बयान दिए, जिससे मामला और बिगड़ गया था।

ट्रंप का बयान और एलन मस्क की लग गई लॉटरी! जानिए कहां पहुंच गई नेटवर्थ

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे ताकतवर देश अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क के बीच आजकल संबंध बिगड़े हुए हैं। इस बीच ट्रंप ने कहा कि वह टेस्ला या स्टारलिंक से पीछा छुड़ाने नहीं जा रहे हैं। इससे इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली कंपनी टेस्ला के शेयरों में 5 फीसदी तेजी आई। इससे कंपनी के सीईओ एलन मस्क की नेटवर्थ में 13.9 अरब डॉलर की उछाल आई। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर के मुताबिक मस्क की नेटवर्थ अब 356 अरब पहुंच गई है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 76.2 अरब डॉलर की गिरावट आई है। टेस्ला 993.92 अरब डॉलर मार्केट कैप के साथ दुनिया की सबसे वैल्यूएबल ऑटो कंपनी है। दुनिया की टॉप वैल्यूएबल कंपनियों की लिस्ट में यह 11वें नंबर पर है। माइक्रोसॉफ्ट 3.513 ट्रिलियन डॉलर के साथ दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी है। उसके बाद एनवीडिया (3.478 ट्रिलियन), ऐपल (3.045 ट्रिलियन), ऐमजॉन (2.303 ट्रिलियन) और गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट (2.114 ट्रिलियन) का नंबर है। मेटा प्लेटफॉर्म, सऊदी अरामको, ब्रॉडकॉम, टीएसएमसी और बर्कशायर हैथवे टॉप 10 में शामिल हैं।

'अगर संबंध बनाना है तो', सोनम ने रख दी थी शर्त

बंद कमरे में सोनम ने रखी थी शर्त, चाह कर भी राजा नहीं कर पाया था इनकार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

इंदौर। राजा रघुवंशी हत्याकांड ने रिश्तों का न सिर्फकत्ल कर दिया, बल्कि भरोसे का भी गला घोंट दिया। सोनम ने पति राजा से संबंध बनाने के लिए एक ऐसा बहाना बनाया था जिससे राजा इनकार भी नहीं कर पाया था।

राजा को दूर रखने के लिए रखी थी शर्त : सोनम ने राजा को अपने से दूर रखने के लिए शर्त रखी थी कि वह कामाख्या देवी के दर्शन करने के बाद ही रिलेशन बनाएगी। उसने कहा था कि वह दर्शन करने के बाद ही संबंध बनाएगी।शादी के महज 4 दिन बाद ही वह मायके चली गई थी। वहां से लौटने के बाद राजा को अपने करीब आने से रोकती रही। घर लौटने के बाद हत्या की साजिश रची।

हम पर भी किया था वशीकरण : राजा रघुवंशी की मां उमा रघुवंशी ने यह भी कहा कि उनके बेटे पर सोनम ने तंत्र क्रिया की होगी। वे लोग जैसा बोल रहे थे, हम वैसे ही चल रहे थे। अब हमें एहसास हो रहा है कि हम पर भी उसने वशीकरण किया था।

कामाख्या देवी में पूजा के बाद ही राजा के गले पर वार किया : उमा रघुवंशी ने आशंका जताई कि हो सकता है सोनम ने मन में नरबलि देने के लिए मनोकामना की थी। क्योंकि कामाख्या देवी में पूजा करने के बाद ही आरोपियों ने राजा के गले पर वार किया था। जिस दिन राजा की हत्या हुई उस दिन ग्यारस थी। राजा की मां ने दावा किया कि इस हत्याकांड के पीछे 15 लोग शामिल हो सकते हैं।

2 जून को राजा रघुवंशी की मिली थी लाश : 2 जून को वेई सॉवडॉन्ग झरने के पास एक गहरी खाई से राजा का शव बरामद हुआ, जिससे उनकी हत्या की पुष्टि हुई। उनकी स्कूटी भी पास ही लावारिस हालत में मिली थी। राजा का शव 4 जून को इंदौर लाया गया और इसी दिन अंतिम संस्कार किया गया था।

गाजीपुर से पकड़ाई सोनम : इसके बाद 8 जून रविवार को उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में नंदगंज पुलिस स्टेशन के सामने सोनम रघुवंशी ने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने तीन अन्य आरोपियों राज कुशवाह (सोनम का बॉयफ्रेंड), विशाल चौहान और आकाश राजपूत को इंदौर से गिरफ्तार किया। इसके साथ ही एक अन्य आरोपी आनंद कुमीज़ को सागर जिले के बीना से पकड़ा है। फ्लिहाल पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है।

सोनम के पिता का 15 करोड़ का टर्नओवर प्रेमी राज को मिलती थी 20 हजार सैलरी

सोनम के पिता देवी सिंह रघुवंशी की इंदौर के सांवेर रोड इंडस्ट्रियल एरिया में सनमाइका बनाने की फैक्ट्री है। इनका सालाना टर्नओवर 12 से 15 करोड़ के बीच में है, जबकि राज कुशवाहा को 20,000 रुपए महीना सैलरी मिलती थी. राज कुशवाहा सोनम के पिता देवी सिंह रघुवंशी की फैक्ट्री में सुपरवाइजर का काम करता था। उधर राजा रघुवंशी का इंदौर में रघुवंशी ट्रांसपोर्ट के नाम से ट्रांसपोर्ट कारोबार है, जिसका सालाना टर्नओवर 8 से 10 करोड रुपए के बीच है। तीनों भाइयों का यह संयुक्त कारोबार है।